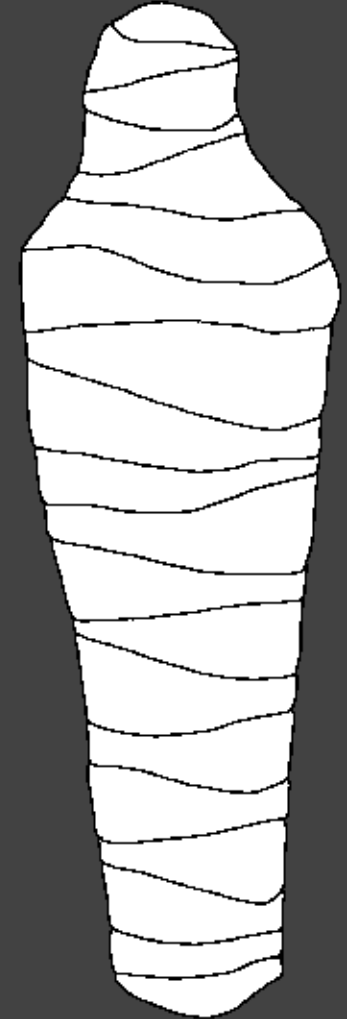


बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

यीशु और
लाजर



लेखक: Edward Hughes

व्याख्याकार: Janie Forest

रूपान्तरकार: Ruth Klassen

अनुवाद: Suresh Kumar Masih

Alastair Paterson

प्रस्तुतकर्ता: Bible for Children
www.M1914.org

©2020 Bible for Children, Inc.

अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति
और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।



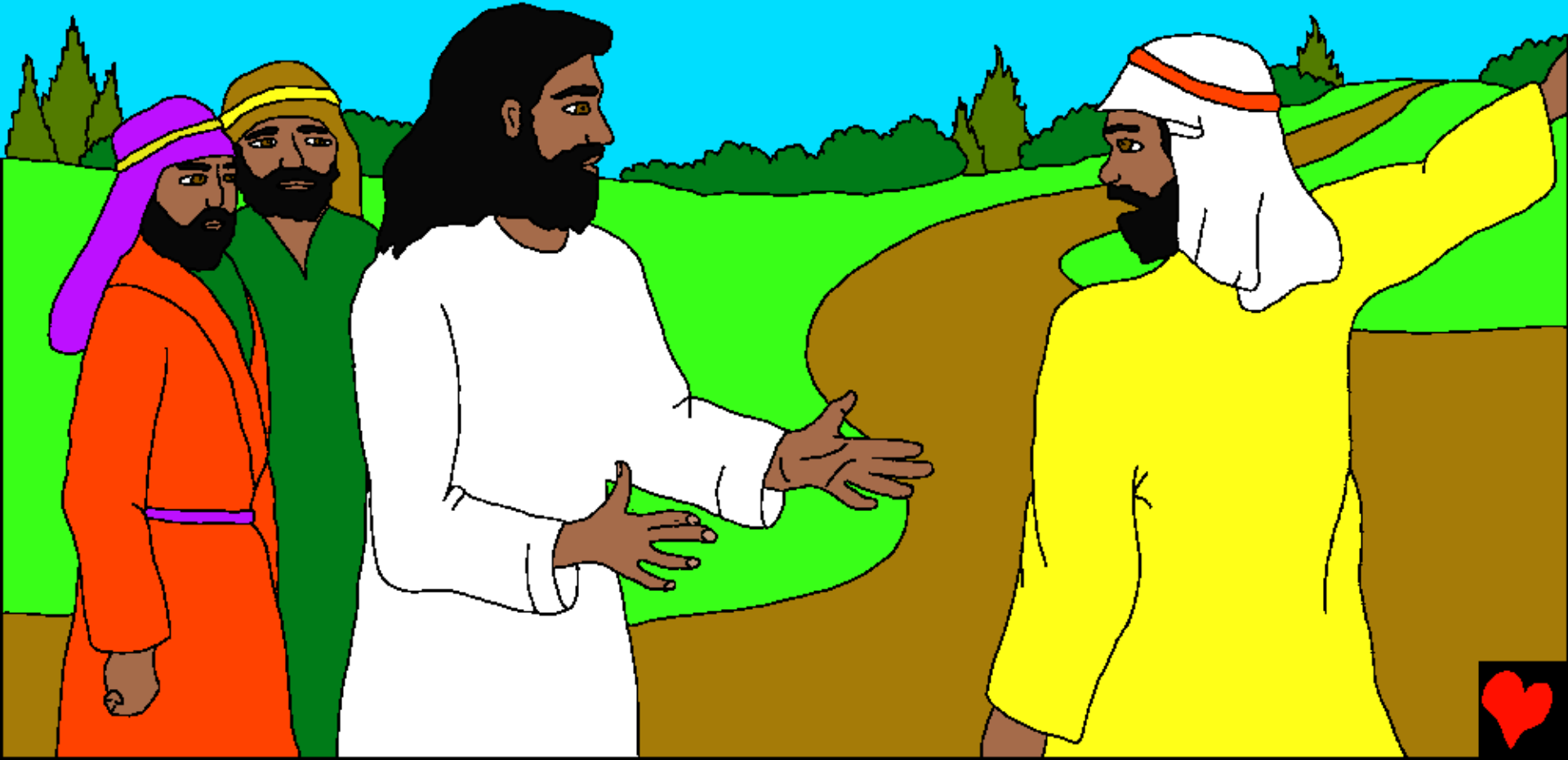
मरियम और मार्था चिंतित
थे। उनका भाई लाजर
बीमार - बहुत बीमार
था। बहनों को पता
था की लाजर जल्द
ही मर जायेगा।



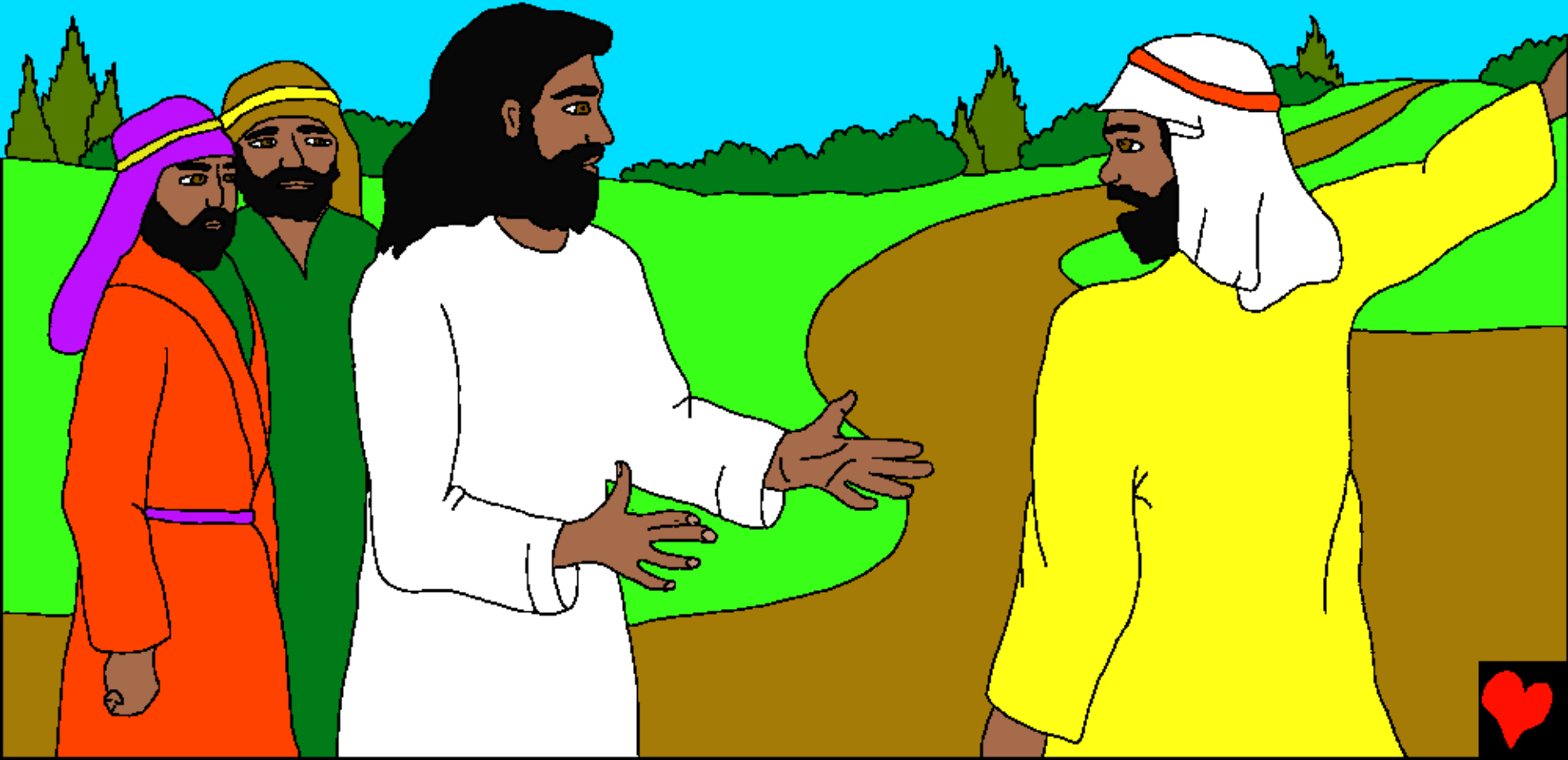
वे यीशु के पास गयीं।
वह बैतनिय्याह के
इस छोटे परिवार
को बहुत प्यार
करता था।



जब यीशु लाजर के बारे में सुना तो वह अपने
चेलों से कहा, "यह बीमारी मृत्यु नहीं
लाएगी।"



हालांकि, यीशु ने कई मील दूर था। उसे वास्तव में मालूम था कि लाजर के साथ क्या होने जा रहा था।



यीशु बेथानी जाने के लिए दो दिन और
इंतजार किया। फिर वह अपने शिष्यों को कुछ
हैरान कर देने वाली
बात कही। "लाजर
मर गया है।



मैं खुश हूँ की मैं वहां नहीं था, ताकि तुम विश्वास कर सको।" इन अजीब बातों को

क्या मतलब था?

यीशु क्या करने की योजना बना रहा था?



जब यीशु
बेथानी पहुँचा,
लाजर चारों दिनों से
मारा पड़ा था।
कफ़न में लपेटा

उसका
शरीर, एक
कब्र वाली गुफा
में था।



मार्था यीशु से मिलने गयी। यीशु ने कहा,
"तुम्हारा भाई फिर से जीवित होगा" "मुझे पता
है - अन्त के दिनों में पुनरुत्थान के समय"
मारथा ने उत्तर दिया।



उसने सोचा की उसे फिर से लाजर को देखने
के लिए अंत के समय तक इंतजार करना
पड़ेगा। लेकिन यीशु के कहने का मतलब कुछ
और था।





यीशु ने मार्था को
बताया, "मैं ही
पनरूथान और
जीवन हूँ" "जो मुझ
पर विश्वास करे
वह मर जाये
तौभी वह
जिएगा।"

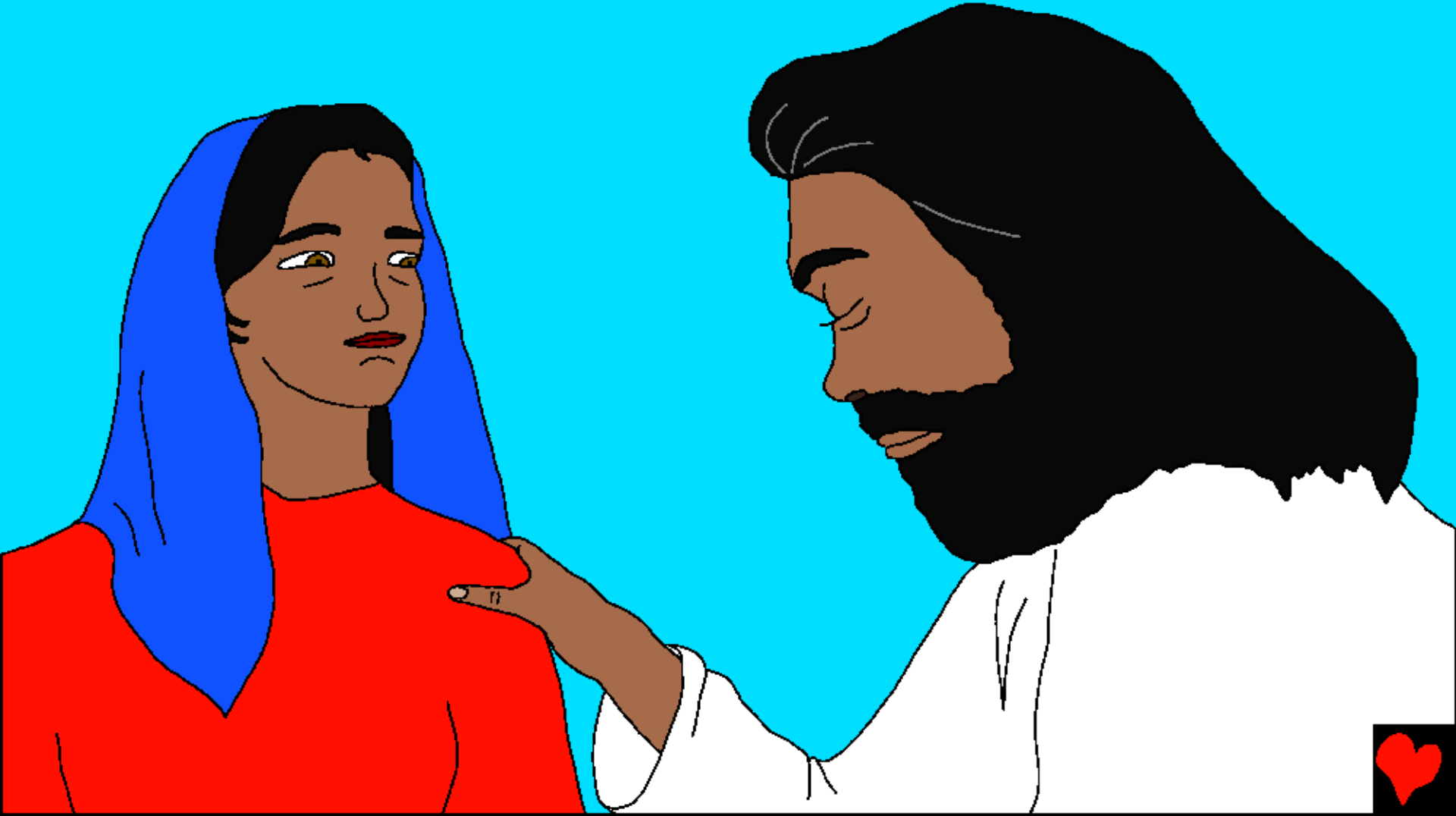




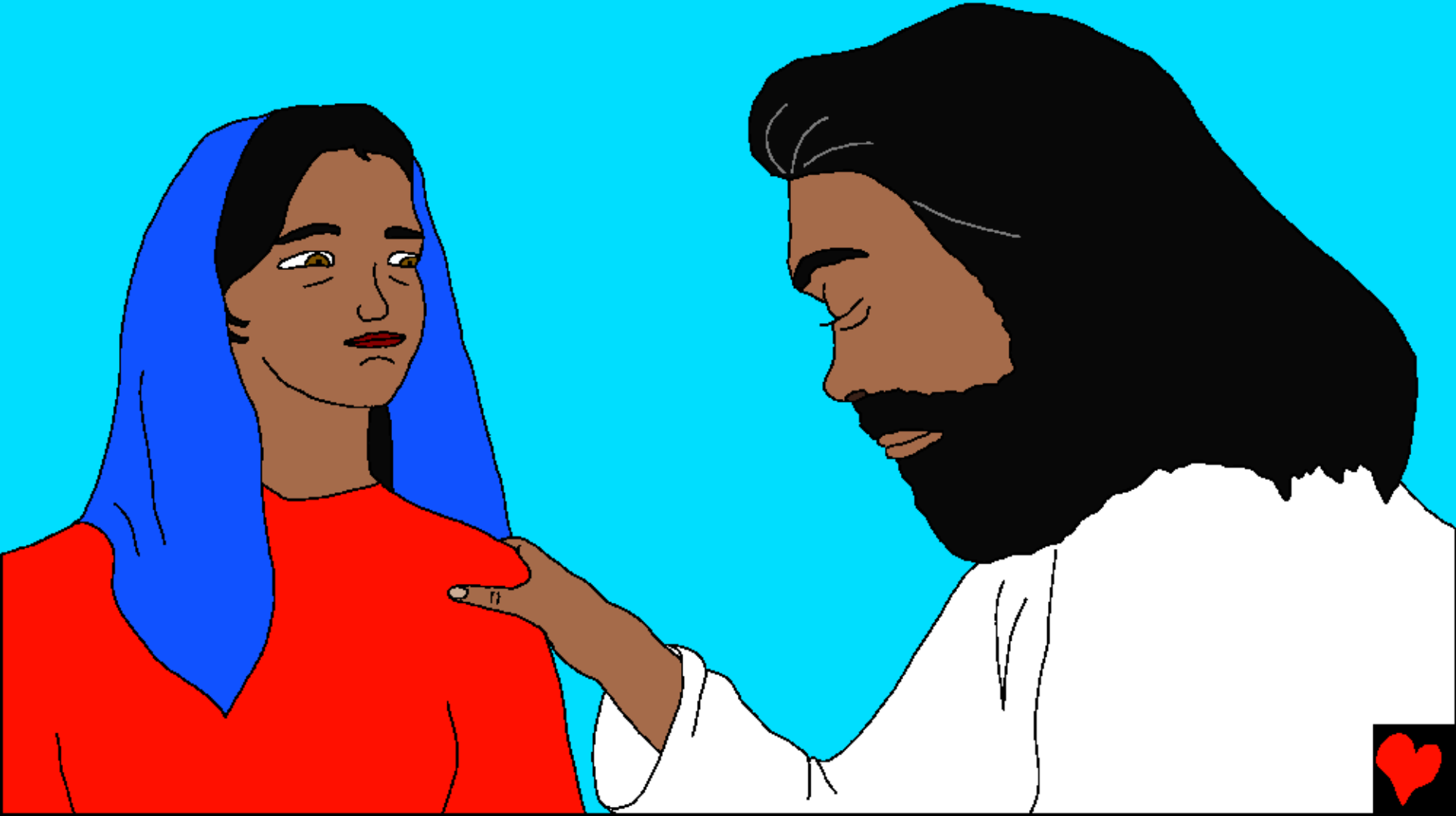
मार्था ने यीशु पर
विश्वास किया।
वह जानती थी कि
वह परमेश्वर का
बेटा है। लेकिन वह
लाजर की कैसे
मदद करने
वाला था?



लाजर की मृत्यु के कारण सब लोग दुःखी थे।
उनकी बहन मरियम रो रही थी।



इस लिए उसके दोस्त उसको शान्त्वना देने की कोशिश कर रहे थे। यीशु भी रोया।



यीशु लोगों के साथ कब्र
पर गया। दरवाजे पर
एक बड़ा पत्थर
रखा हुआ
था।



"पत्थर को हटाओ," यीशु
ने आदेश दिया। मार्था
उत्तर दिया, "प्रभु इसे
मरे हुए चार
दिन हो
चुके हैं,
अब तो

बदबू भी
आती है।"



'यीशु के
आदेशानुसार
पुरुषों ने पत्थर
को हटा दिया। तब
यीशु ने अपने
स्वर्गीय पिता से
प्रार्थना की।



यीशु एक
बड़ा ही महान
चमत्कार करने
जा रहा था जिससे
लोग जाने की उसे
परमेश्वर ने ही
भेजा है।



"लाजर!" यीशु
चिल्लाया। "बाहर
आओ!" लोग गुफा
पर नज़रे गड़ाकर
देखें रहे होंगे। क्या
यीशु एक मरे हुए
आदमी को जीवित
कर सका?



हाँ!
लाजर
गुफा
से बाहर
आया,
जिंदा -
कफ़न में
लपेटा
हुआ!



"उसेके बंधन खोल
दो," यीशु ने कहा
"उसे जानै दो।"



आँसू हँसी में बदल
गये, क्या ही खुशी
थी! यीशु ने अपने
वायदे को पूरा किया।



लाजर फिर से जीवित था। केवल
परमेश्वर का बेटा ही एक मरे
हुए आदमी को जीवन
दे सकता है।



जितनो ने यह चमत्कार देखा, यीशु पर
विश्वास किया। लेकिन कुछ दूसरों ने मंदिर
के नेताओं - जो उसके दुश्मन
थे, उनको इसकी सूचना दी।



चौकसी के साथ वे यीशु को मारने की साजिश
रचे। जब यीशु को यह मालूम हुआ वह थोड़ी
देर के लिए दूर चला गया।



यीशु और लाजर

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

यूहन्ना 11

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”

प्लाज्म 119:130



समाप्त



बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगतें। यीशु मरने के बाद पुनः जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते हैं और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह आपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।



यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है,
तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि
तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित
हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा
भोगत सके और अब तू पुनः जीवित हुआ है। कृपया
मेरी जिंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि
मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा
हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद
कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर
सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए
जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से
बात करें! जॉन 3:16

